norwela™

A NATURAL WAY TO GOOD HEALTH

स्वस्थ जीवन का
सर्वोत्तम प्राकृतिक उपाय

INDEX

Page

नोर्वेला प्रोडक्ट्स की खास विशेषताए 3

किड्सवेल 4-5
"बच्चों के उचित शारीरिक वृद्धि तथा मानसिक विकास
के लिए एक सम्पूर्ण आहार"

इम्यूनवेल 6-7
रोग प्रतिरोधक शक्ति बढाने के लिए

जॉइन्टएकवेल 8-9
जोड़ो के दर्द एवं कार्टिलेज की रक्षा के लिये

हेमरॉइड्वेल 10-11
बावासीर व फिशर में उपयोगी

कोलेस्टवेल 12-13
कोलेस्ट्रॉल लेवल को नियंत्रित करने के लिए

स्टोनवेल 14-15
किडनी की पथरी से राहत के लिए

विगरवेल 16-17
पुरुषों में जोश व कामेच्छा बढाने के लिए

ओजवेल 18-19
A Nectar for Health (100% गौ-पीयूष)

शक्तिवेल 20-21
कैल्शियम, आयरन, विटामिन्स तथा मिनरल्स से परिपूर्ण

मेन्स्ट्रूवेल 22
मासिकधर्म (पीरीयडस) को सामान्य करने के लिए

Discover the best nutritional solution

नोर्वेला प्रोडक्ट्स की खास विशेषताए

- प्रसिद्ध डॉक्टरो और वैज्ञानिको द्वारा सन् २००१ से श्रेष्ठ दवाईया तैयार करने के अभ्यास के परिणाम स्वरुप यह प्रोडक्ट्स तैयार हुई है|

- इन प्रोडक्ट्स के घटक सिर्फ शुद्ध और चुनिन्दा प्रभावकारी औषधिओ के सत्व से तैयार किये जाते है| जिसमें किसी भी प्रकार के क्रुड पाउडर मिलाए नहीं जाते|

- प्रमाणित कुदरती सत्व से बनाए जाने की वजह से ये शीघ्र असर करती है वो भी कम औषधि की मात्रा में|

- किसी भी प्रकार के दुष्प्रभाव रहित, भारी धातु, स्टेरॉयड और कीटनाशक रहित एकदम शुद्ध और कुदरती औषध है|

- ये औषधियां भारत और यु.एस.ए में जाँची परखी हुई है|

- देश-विदेश में लाखो लोगो को फायदा मिला है|

किड्सवेल

“बच्चों के उचित शारीरिक वृद्धि तथा मानसिक विकास के लिए एक सम्पूर्ण आहार”

(36 पोषक तत्वों तथा 5 स्वास्थ्यवर्धक जड़ी बूटियों के साथ, स्वादिष्ट चॉकलेट फ्लेवर में उपलब्ध)

बच्चो के शारीरिक विकास में, 2 वर्ष से 12 वर्ष की उम्र बहुत ही महत्वपूर्ण होती है। इस उम्र में बच्चो का मुख्य रूप से शारीरिक वृद्धि तथा मानसिक विकास होता है। आपके बच्चे का अनियमित खान पान, उसकी वृद्धि को प्रभावित कर सकता है। बच्चो के सही वृद्धि तथा विकास के लिए उचित पोषण का होना बहुत ही ज़रूरी है। उचित शारीरिक वृद्धि तथा मानसिक विकास के लिए “किड्सवेल” एक भरोसेमंद प्रोडक्ट है।

किड्सवेल विज्ञान पर आधारित, पोषक और हर्बल सप्लीमेंट है जो सम्पूर्ण संतुलित आहार तथा मानसिक विकास के लिए 2 से 12 की उम्र में बहुत ही प्रभावकारी है। यह 36 पोषक तत्वों तथा 5 महत्वपूर्ण जड़ी बूटियों से बना है। यदि सही मात्रा में लें तो किड्सवेल 100% उर्जा, विटामिन्स, खनिज, प्रोटीन, फैट्स, कार्बोहाइड्रेटस, प्रोबायोटिक्स, को-एंजाइम Q-10, DHA, Taurine, Choline, तथा मिल्क प्रोटीन प्रदान करता है, मिल्क प्रोटीन में 9 Amino acids, Immunoglobulins व enzymes है जो तेजी से शारीरिक वृद्धि करते है।

किड्सवेल बच्चो के शरीर की लम्बाई तथा वजन बढाने में मदद करता है। शरीर के रोग प्रतिरोधक शक्ति को बढाकर बार बार बीमार होने से बचाता है, हड्डियों तथा मांसपेशियों को मजबूत बनाता है, आँख, दांत, त्वचा तथा बालों को स्वस्थ रखता है। इसमें मौजूद गुणकारी जड़ी बूटियां जैसे- आमला, ब्राह्मी, शंखपुष्पी, अश्वगंधा, गुडूची आदि में मौजूद अल्कालॉयड, शारीरिक तथा मानसिक शक्ति बढ़ाने में काफी प्रभावकारी सिद्ध हुए है। किड्सवेल बच्चों के उचित शारीरिक तथा मानसिक विकास के लिए एक सम्पूर्ण आहार है।

किड्सवेल के मुख्य घटक :

• मिल्क प्रोटीन	• गुडूची	• आमला	• प्रोबायोटिक
• को-एंजाइम Q-10	• Taurine	• Choline	• DHA
• 13 विटामिन्स	• बादाम	• खजूर	• स्पिरुलिना
• 14 मिनरल्स	• ब्राह्मी	• शंखपुष्पी	• अश्वगंधा

किड्सवेल के मुख्य फायदे :

- वृद्धिकारक पोषक तत्व शरीर की लम्बाई तथा वजन बढ़ाते है।
- DHA व अन्य जड़ी बूटिया स्मृति व एकाग्रता को बढ़ाते है।
- को-एंजाइम Q-10, विटामिन्स तथा मिनरल्स उर्जा व स्फूर्ति लाते है।
- इम्युनो न्यूट्रीएन्ट्स रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाते है।
- आयरन, फोलिक एसिड तथा विटामिन B-12 रक्त बनाने में मदद करता है।
- विटामिन A, C, E तथा Zinc आँखों की दृष्टि बढाते है।
- प्रोबायोटिक्स Gut फ्लोरा को बनाने में मदद करता है।
- त्वचा तथा बालो को स्वस्थ रखता है।

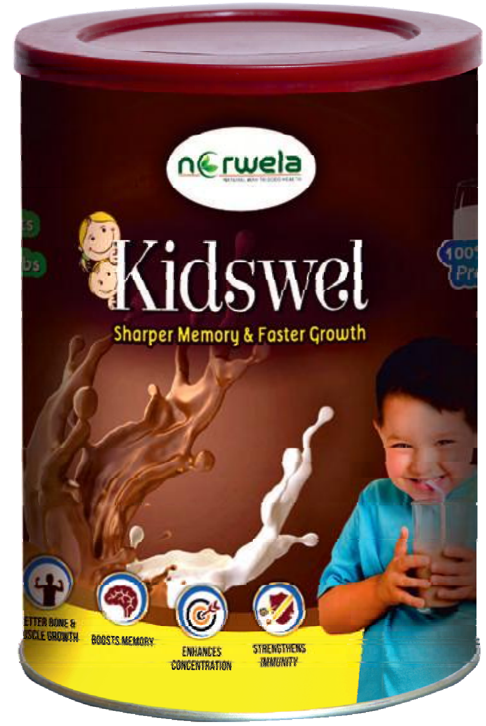

IMPROVES ENERGY & STAMINA

BETTER BONE & MUSCLE GROWTH

BOOSTS MEMORY

ENHANCES CONCENTRATION

STRENGTHENS IMMUNITY

इस्तेमाल हेतू निर्देश :

दिए गए चम्मच से 2 चम्मच (लगभग 20 ग्राम) किड्सवेल पावडर को एक कप (200 मिली) को गुनगुने दूध में अच्छी तरह से मिलाये। जरुरत हो तो स्वादानुसार शक्कर मिलाएं।

अच्छे परिणाम के लिए दिन में दो बार लें। सुबह स्कूल जाने के समय तथा शाम को स्कूल से आने के बाद दूध के साथ किड्सवेल लेना बहुत ही लाभकारी है। उपयोग के बाद ढक्कन को सही तरीके से बंद करें।

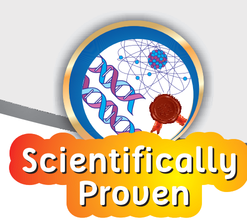

इम्यूनवेल

रोग प्रतिरोधक शक्ति बढाने के लिए

हमारे शरीर का इम्यून सिस्टम बहुत ही विशेष तथा अदभुत है, जो हमें स्वस्थ तथा शक्तिशाली बनाये रखता है। यह वातावरण के दुष्प्रभावो से बचाता है। हमारे आस पास के वातावरण के संपर्क में रहते हुए हमारा स्वस्थ रहना काफी हद तक हमारे इम्यून सिस्टम की कार्य क्षमता पर निर्भर करता है।

हमारा इम्यून सिस्टम शरीर को बाहरी सूक्ष्म जीवो से होने वाले संक्रमण से बचाता है जैसे- बैक्टेरिया, वायरस तथा फंगस। रोगकारक सूक्ष्म जीवो से लड़ने के अलावा यह उन कोशिकाओं को भी ख़त्म करता है जो हमारे शरीर में कैंसर उत्पन्न कर सकती है। बुजुर्ग लोगों में रोग प्रतिरोधक शक्ति कम होती है जिस से उनमे संक्रमण जल्दी हो जाते है। यह रोग प्रतिरोधक शक्ति हमारी पूरी उम्र हमें स्वस्थ रखने के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है।

रोग प्रतिरोधक शक्ति कम होने के मुख्य कारण

- सही पोषण का आभाव
- स्वच्छता या साफ़ सफाई की कमी
- HIV / TB जैसे जानलेवा इन्फेक्शन
- एलोपैथिक दवाइयों का अधिक सेवन
- बढती उम्र
- रेडिएशन
- कैंसर

उपचार :

नोर्वेला का यह अनोखा प्रोडक्ट "इम्यूनवेल" एक हर्बल फार्मूलेशन है, यह एक प्रभावकारी इम्यूनो मोड्युलेटर है, जो की प्रसिद्ध गुणकारी हर्ब के सत्व से बना है। "इम्यूनवेल" द्वारा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढाने की शक्ति का मुख्य कारण इसमें मौजूद 19 गुणकारी घटक है।

"इम्यूनवेल" मुख्य रूप से - कमजोरी, स्ट्रेस, थकान, फायब्रोम्याल्जिया, बदन दर्द तथा बीमारी से जल्द रिकवरी में काफी फायदेमंद है।

स्वस्थ रहने के लिए "इम्यूनवेल" कोई भी ले सकता है।

इम्यूनवेल के मुख्य घटक :

- शतावरी
- गिलोय
- हरीतकी
- गौज़बान
- श्वेत मुसली
- हल्दी
- अश्वगंधा
- बहेड़ा
- कंचनार
- गुलर
- मुलेठी
- लहसुन
- सिग्रू
- गोरखमुंडी
- नागरमोथा
- करेला
- आमला
- पुनर्नवा
- रोहितका

इम्यूनवेल के मुख्य फायदे :

- प्राकृतिक रूप से आतंरिक शक्ति बढ़ाता है तथा रोग प्रतिरोधक शक्ति को अधिक मजबूत बनाता है।
- अन्य रोगों से होने वाली कमजोरी से जल्दी रिकवरी दिलाता है।
- बार बार होने वाले संक्रमण से बचाता है।
- मानसिक तनाव घटाता है।
- पाचन तंत्र को स्वस्थ रखता है।
- प्रतिरोधक कार्य तथा इम्युन सिस्टम को संतुलित करता है।
- प्राकृतिक फाइटोन्यूट्रीएन्ट्स रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढाते है।
- वजन तथा कोलेस्ट्राल का सही स्तर बनाये रखता है।
- संक्रमण रोधी तथा रोगाणु नाशक गुण है।
- इसमें एंटी ओक्सिडेंट प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है।
- नियमित रूप से लेने से शरीर में शक्ति एवं स्फूर्ति बनी रहती है।

इस्तेमाल हेतू निर्देश :

1 से 2 कैप्सूल दिन में दो बार, भोजन के बाद

निषेध : इसमें उपयोग किये गए किसी घटक की एलर्जी तथा गर्भावस्था में

स्वस्थ जीवनशैली हेतू सुझाव :

- रोज नियमित रूप से व्यायाम, योगा इत्यादि करने से शरीर स्फूर्ति भरा तथा स्वस्थ रहता है।
- बाज़ार की तली हुई चीज़े, अधिक मसालेदार व्यंजन तथा ठन्डे पेय आदि पदार्थो का उपयोग न करके ताज़े फल के रस का सेवन अधिक लाभदायक है।
- अपने आस पास के वातावरण को साफ़ तथा स्वच्छ बनाकर कई रोगों से बचा जा सकता है।

जॉइंटएकवेल

जोड़ो के दर्द एवं कार्टिलेज की रक्षा के लिए

हड्डियों के जोड़ो में दर्द तथा सूजन एक आम समस्या है जिसे आर्थराईटिस कहते है। आर्थराईटिस कई प्रकार के होते है, मुख्य रूप से दो प्रकार है - ओस्टियो आर्थराईटिस तथा रुमेटोइड आर्थराईटिस।

आर्थराईटिस मुख्यतः निम्न अंगो में होता है- घुटने, कुल्हे, रीढ़ की हड्डी वगैरह।

आर्थराईटिस सामान्यतः बढती उम्र के साथ होता है, स्त्रियों, बालको तथा युवाओ में भी हो सकता है। आर्थराईटिस जोड़ो के बीच की गद्दी (कार्टिलेज) घिसने की वजह से होता है। जिसमे मुख्य कारण निम्न है:

- शरीर के भार का वहन करने वाले जोड़ो जैसे घुटने, कुल्हे में कार्टिलेज का नुकसान अधिक होता है।
- बढती उम्र के साथ कार्टिलेज का घिसाव भी अधिक होने लगता है।
- हड्डियों को स्वस्थ रखने हेतू सही पोषण की कमी।
- दुर्घटना की वजह से जोड़ो को नुकसान, जैसे फ्रेक्चर।
- जोड़ो में बैक्टीरियल या वायरल इन्फेक्सन ।

आर्थराईटिस के लक्षणों में सामान्यत: जोड़ो का दर्द, सूजन, जोड़ो में लालिमा तथा गर्माहट होना, सुबह के समय जकड़न,

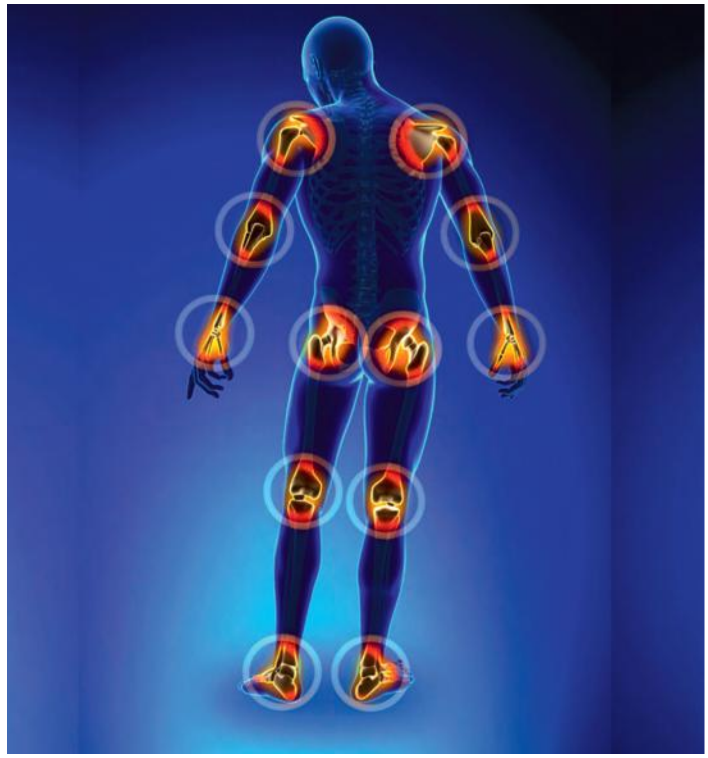

उपचार :

आर्थराईटिस के उपचार का लक्ष्य सामान्यत: जोड़ो के दर्द को कम करना तथा कार्टिलेज की क्षति को कम करना होता है। “जोइन्टएकवेल” एक हर्बल फार्मूला है जो जोड़ो के दर्द व सूजन का इलाज कुदरती रूप से करता है। इसमें शल्लकी, हल्दी, शुद्ध गूगल, निर्गुन्डी तथा अन्य शुद्ध सत्व वाले घटक है जो दर्द, सुजन, तथा सुबह की जकड़न में काफी लाभदायक सिद्ध हुए है।

जॉइंटएकवेल के मुख्य घटक :

- सलाई गूगल
- गूगल
- हडजोड
- निर्गुन्डी
- मंडूकपर्णी
- गिलोय
- हल्दी
- दुग्धिका
- कालीमिर्च

जॉइंटएकवेल के मुख्य फायदे :

- जोड़ो के दर्द से जल्द आराम दिलाता है ।
- सुबह की जकड़न में आराम दिलाता है।
- जोड़ो में लुब्रिकेशन बनाये रखता है।
- जोड़ो की गतिशीलता में सुधार लाता है तथा कार्टिलेज की क्षति को रोकता है।
- यह प्राकृतिक एंटी इन्फ्लेमेटरी दवा है।
- इसमें संक्रमणरोधी तथा रोगाणु नाशक गुण है।
- "जॉइंटएकवेल" लेने से आर्थराईटिस होने की संभावना बहुत कम रहती है इसलिए ४० वर्ष की आयु के बाद इसे लेना हितकारी है।

इस्तेमाल हेतू निर्देश :

1 से 2 कैप्सूल दिन में दो बार, भोजन के बाद

निषेध : इसमें उपयोग किये गए किसी घटक की एलर्जी

आर्थ्राइटिस रोकने हेतु आदर्श जीवनशैली :

- संतुलित आहार लें, एक्टिव रहे तथा वजन को नियंत्रण में रखे ।
- व्यायाम, योगा, या स्विमिंग नियमित रूप से करे।
- ७ से ८ घंटे की नींद से शरीर स्वस्थ तथा स्फूर्ति भरा रहता है।
- हड्डियों तथा जोड़ो को अत्यधिक उपयोग व चोट पहुचने से बचाए।
- ठन्डे वातावरण से शरीर को बचाए, गर्म कपड़ो का इस्तेमाल करें।

हेमरोइडवेल

बवासीर व फिशर में उपयोगी

पाईल्स या बवासीर, गुदामार्ग की नसों में सुजन होने से होता है, जिसमें मलत्याग के समय तकलीफ बढ़ जाती है तथा असहनीय दर्द, रक्तस्त्राव तथा खुजली जैसी परेशानिया होती है। पाईल्स दो जगह होते है गुदामार्ग के अन्दर जिसे आन्तरिक पाईल्स तथा गुदामार्ग के बहार की ओर जिसे बाह्य पाईल्स कहते है। पाईल्स पुरुषो तथा स्त्रियों दोनों में समान रूप से होता है।

पाइल्स के कई कारण होते है जिसमे मुख्यतः कब्ज, दस्त, तेलीय तथा मसालेदार जंक फ़ूड का सेवन, वजन का अधिक होना, मलत्याग करते समय अधिक जोर लगाना, एक ही स्थान पर लम्बे समय तक बैठे रहना, अत्यधिक शारीरिक व्यायाम, अनुवांशिकता तथा गर्भावस्था है।

पाईल्स के लक्षणों में मुख्यतः मलत्याग के समय दर्द, गुदामार्ग के आस पास खुजली, रक्तस्त्राव, हमेशा पेट का भरा लगना।

"हेमरोइडवेल" फिशर में भी राहत देता है

गुदामार्ग की त्वचा के फटने या चीरा होने को फिशर कहते है, इसकी वजह से मलत्याग करते समय काफी तेज दर्द तथा रक्तस्त्राव होता है। फिशर के कारणों में मुख्य रूप से - कब्ज, मल का कठोर तथा सुखा होना, मलत्याग के समय गुदामार्ग में अधिक घर्षण तथा गुदामार्ग में चोट लगने से फिशर होता है। फिशर में रक्तस्राव, खुजली तथा दर्द आदि लक्षण होते है।

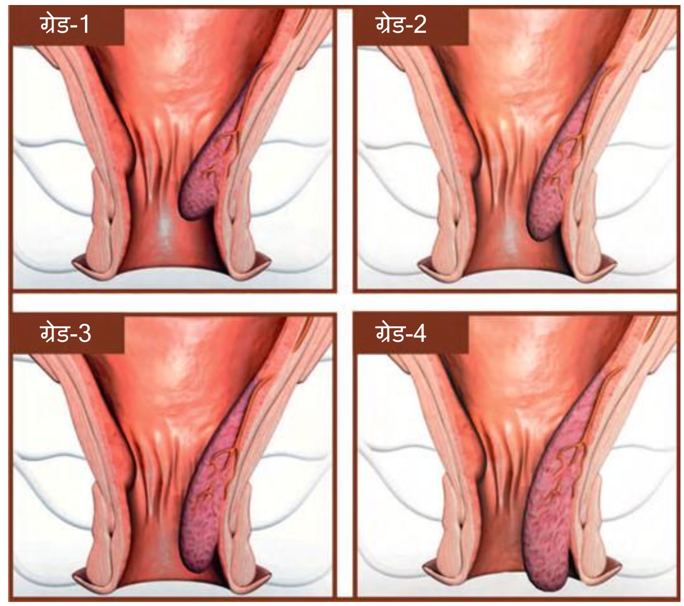

उपचार :

पाईल्स तथा फिशर में उपचार का उद्येश्य दर्द खुजली तथा रक्तस्त्राव में राहत लाना होता है। नोर्वेला की "हेमरोइडवेल" त्रिफला, शुद्ध गूगल, नीम तथा कुटज के शुद्ध सत्व से बना है। यह पाईल्स तथा फिशर संबन्धी लक्षणों में शीघ्रता से सम्पूर्ण राहत दिलाता है। इसके साथ और किसी दर्दनिवारक दवा या मलहम की आवश्यकता भी नहीं होती।

हेमरोइडवेल के मुख्य घटक :

- त्रिफला
- गुग्गुल
- नीम
- कुटज
- नीरगुंडी
- सून्ठी
- गरमालो
- मंडूकपर्णी
- नागकेसर
- कालीमिर्च

हेमरोइडवेल के मुख्य फायदे :

- गुदामार्ग में होने वाली खुजली, रक्तस्त्राव तथा कब्ज में महत्वपूर्ण रूप से सुधार लाता है मुख्यतः ग्रेड १ तथा ग्रेड २ वाले आतंरिक बवासीर में श्रेष्ठ उपचार है।
- ग्रेड २ ग्रेड ३ व सर्जरी उपरांत घाव को भरने में शीघ्र प्रभावकारी।
- सुखपूर्ण विरेचन करके कब्ज को दूर करता है।
- दर्द में राहत दिलाता है।
- सबसे सरल उपचार, अन्य कोई मलहम की कोई आवश्यकता नहीं।

इस्तेमाल हेतू निर्देश :

1 से 2 कैप्सूल दिन में दो बार, भोजन के बाद

निषेध : इसमें उपयोग किये गए किसी घटक की एलर्जी तथा गर्भावस्था में

बवासीर व फिशर में स्वस्थ जीवनशैली हेतू सुझाव :

- तीखे, तले तथा अधिक मसालेदार व्यंजनों का सेवन कम करना चाहिए।
- रेशायुक्त तथा हरी पत्तेदार सब्जियों व केले का सेवन लाभदायक होता है।
- सुबह गुनगुना पानी पियें।
- मलत्याग के समय अधिक जोर न लगायें।
- एक ही स्थान पर ज्यादा देर तक न बैठे।
- शरीर का वजन नियंत्रण में रखें।
- धुम्रपान व शराब के सेवन से बचना चाहिए।

कोलेस्टवेल

कोलेस्ट्रोल लेवल को नियंत्रित करने के लिए

कोलेस्ट्रोल हमारे रक्त में प्राकृतिक रूप से पाया जाता है। यह हमारे शरीर में कई प्रकार की जैविक प्रक्रियाओं के लिए आवश्यक है। हमारे शरीर में चर्बी की बहुत कम मात्रा की आवश्यकता होती है जो आवश्यकता के अनुसार कोलेस्ट्रोल बनाने के लिए उपयुक्त होता है। हम जो चर्बी का सेवन करते है वो आंतो द्वारा अवशोषित होकर लीवर को जाता है, लीवर चर्बी से कोलेस्ट्रोल बनाता है और फिर ये कोलेस्ट्रोल रक्त में प्रवाहित होता है।

कोलेस्ट्रोल मुख्यतः दो तरह के होते है- HDL (गुड कोलेस्ट्रोल) तथा LDL (बैड कोलेस्ट्रोल)। LDL कोलेस्ट्रोल रक्त वाहिनियों में जमा होने लगता है, जिस से ये रक्त वाहिनियाँ संकरी होने लगती है तथा रक्त का प्रवाह कम होने लगता है। कोलेस्ट्रोल के अधिक जमाव से रक्तवाहिनियाँ बंद भी हो सकती है जिसे सामान्य भाषा में ब्लॉकेज कहते है। गंभीर परिस्थितियों में ब्लॉकेज की वजह से रक्त का सही संचार न होने पर हार्ट अटेक तथा स्ट्रोक भी हो सकता है।

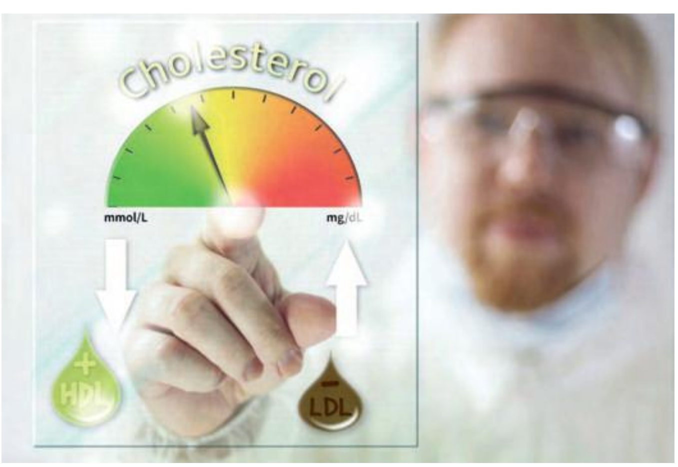

उपचार :

नोर्वेला का "कोलेस्टवेल" बहुत ही प्रभावकारी वनस्पतियों के सत्व से बनी प्राकृतिक औषधि है जो कोलेस्ट्रोल को नियंत्रित करती है। कोलेस्ट्रोल लेवल कम करने के लिए यह क्लिनिकल ट्रायल द्वारा प्रमाणित औषधि है जो LDL तथा ट्राय-ग्लिसेराइड के लेवल को नियंत्रित करने में सक्षम सिद्ध हुई है। "कोलेस्टवेल" शरीर में कोलेस्ट्रोल के प्राकृतिक चयापचय के साथ हृदय तथा परिसंचरण तंत्र को स्वस्थ रखता है।

कोलेस्टवेल के मुख्य घटक :

- गुग्गुल
- मेथी
- लहसुन
- हल्दी
- तुलसी
- चित्रक
- अर्जुन
- विभितकी
- कालीमिर्च
- सून्ठी

कोलेस्टवेल के मुख्य फायदे :

- LDL के स्वस्थ स्तर को नियंत्रित रखता है।
- फायदेमंद HDL का स्तर बढाता है।
- अच्छे कोलेस्ट्रोल तथा हानिकारक कोलेस्ट्रोल के अनुपात को स्वस्थ व सामान्य करता है।
- शरीर में स्फूर्ति लाता है।

इस्तेमाल हेतू निर्देश :

२ कैप्सूल दिन में दो बार, भोजन के बाद

निषेध : इसमें उपयोग किये गए किसी घटक की एलर्जी

स्वस्थ जीवनशैली हेतू सुझाव :

- तेल, घी, पनीर, मख्खन तथा नमक का सेवन कम करना चाहिए।
- संतुलित आहार लें, एक्टिव रहे तथा वजन को नियंत्रण में रखे।
- व्यायाम, योगा या स्विमिंग नियमित रूप से करे।

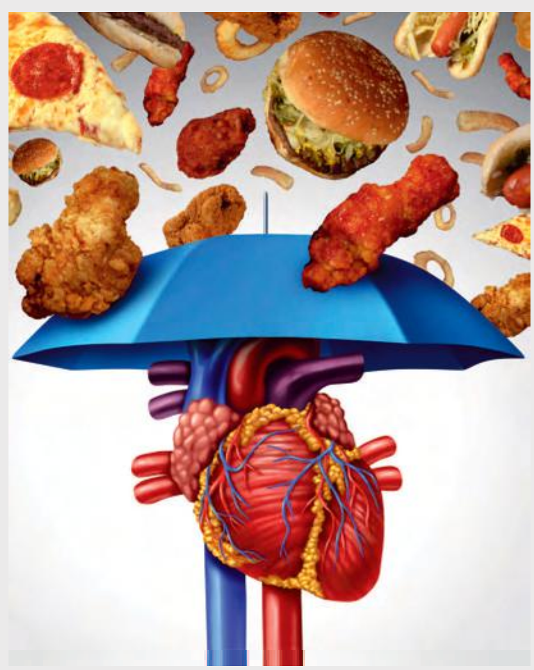

स्टोनवेल

किडनी की पथरी से राहत के लिए

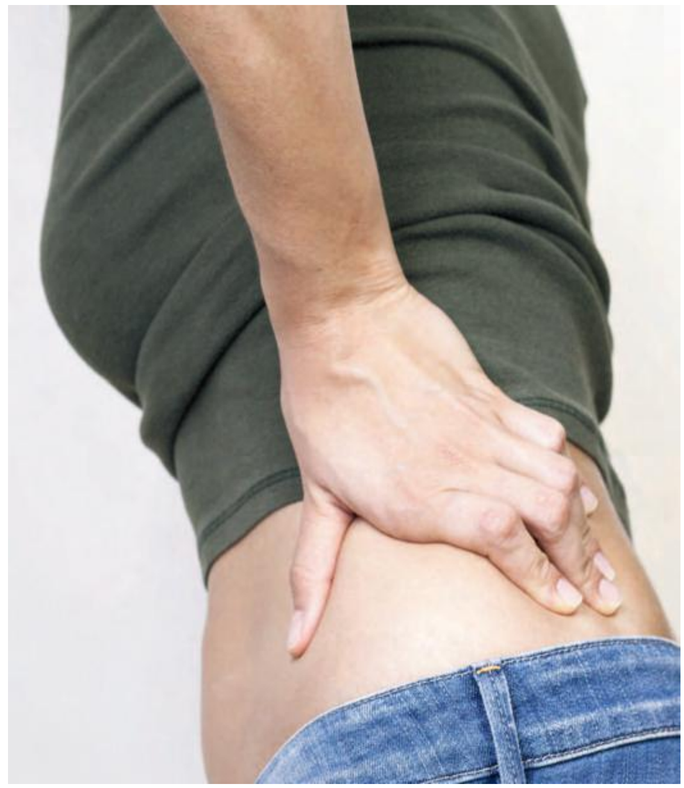

मूत्र में बचा हुआ पानी, क्षार तथा अन्य तत्वों के असंतुलन की वजह से किडनी की पथरी होती है। यह पथरी किडनी, पेशाब नली तथा मूत्राशय में पेशाब के प्रवाह को रोकती है, जिससे तीव्र असहनीय दर्द होता है। मूत्र में पाए जाने वाले कैल्शियम ओक्सेलेट तथा अन्य क्षारों में असंतुलन होने के कारण छोटे कणों की रचना होती है, ये छोटे कण आपस में जुड़कर पथरी का निर्माण करते है जो बड़े होकर परेशानी उत्पन्न करते है। स्त्रियों की अपेक्षा पुरुषों में पथरी होने की संभावना ज्यादा होती है। एक बार पथरी हो गयी तो फिर से होने की संभावना बनी रहती है।

पथरी के मुख्य कारण :

कम पानी पीना, अधिक कैल्शियम तथा ओक्सेलेट वाले खाद्य पदार्थो का सेवन, आनुवांशिकता सूखे तथा अधिक क्षारीय पानी वाले इलाको में रहने वाले लोगो को पथरी होने की संभावना ज्यादा होती है।

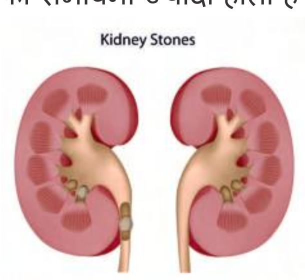

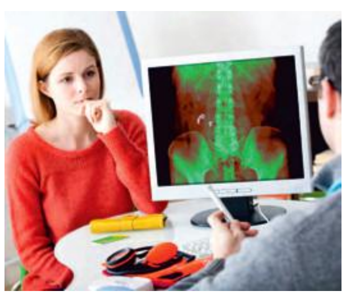

पथरी के मुख्य लक्षण :

- कमर में तीव्र असहनीय दर्द
- जी घबराना तथा उलटी होना
- रुक रुक कर पेशाब आना, पेशाब करने में परेशानी होना।
- पेशाब करते समय जलन होना
- पेशाब के साथ रक्त आना तथा पेशाब का रंग असामान्य होना

उपचार :

नोर्वेला का “स्टोनवेल” पाषाणभेद, कुलत्था तथा पुनर्नवा जैसी कुदरती वनस्पति से निकाले शुद्ध सत्वों से बना है जो पथरी को तोड़कर बाहर निकालने में सक्षम है। इसमें पेशाब की मात्रा बढाने का गुण होता है जिस से पथरी के निकलने की संभावना बढ़ जाती है। पथरी के दर्द से भी राहत दिलाता है। “स्टोनवेल” बार बार होने वाली पथरी को रोकने में बहुत ही कारगर है।

स्टोनवेल के मुख्य घटक :

- वरुणा
- पुनर्नवा
- पाषाणभेद
- गोखरू
- कुलत्था
- पत्थरफोड़ी

स्टोनवेल के मुख्य फायदे :

- पथरी को छोटे छोटे टुकड़ों में तोड़ता है।
- पेशाब की मात्रा बढ़ाकर पथरी को निकालने में मदद करता है।
- पथरी द्वारा होने वाले दर्द तथा पेशाब में होने वाली तकलीफ को दूर करता है।
- बार बार होने वाली पथरी को रोकने में मदद करता है।

इस्तेमाल हेतू निर्देश :

1 से 2 कैप्सूल दिन में दो बार, भोजन के बाद

निषेध : इसमें उपयोग किये गए किसी घटक की एलर्जी

स्वस्थ जीवनशैली हेतू सुझाव :

- कोल्ड्रिंक, चाय तथा कॉफ़ी का सेवन कम करना चाहिए।
- आहार में कैल्शियम तथा प्रोटीन की अधिक मात्रा न लें।
- अधिक ओक्सेलेट वाले खाद्य पदार्थ जैसे टमाटर, बैंगन, नट्स, बेरी आदि नहीं लेना चाहिए।
- भोजन में तले हुए पदार्थ, तथा फ़ास्ट फ़ूड का सेवन नहीं करना चाहिए, नमक का सेवन कम करना चाहिए।
- पेशाब को रोक कर नहीं रखना चाहिए।

विगरवेल

पुरुषों में जोश व कामेच्छा बढाने के लिए

आजकल की भागदौड़ भरी ज़िन्दगी में, शारीरिक तथा मानसिक तनाव हमारे स्वास्थ्य को अत्यधिक नुकसान पंहुचा रहा है, विशेष रूप से पौरुष शक्ति तथा कामेच्छा। एक अच्छे दांपत्य जीवन के लिए पुरुष तथा स्त्री दोनों में कामेच्छा का होना बहुत जरुरी है। कामेच्छा में कमी, पति पत्नी के रिश्तो में दरार ला सकती है।

इनके कई कारण है जैसे मनोवैज्ञानिक, नसों की कमजोरी, होरमौंस, कमजोर रक्त परिवहन, या अन्य किसी बीमारी के परिणाम स्वरुप पौरुष शक्ति की कमी, कामेच्छा न होना और लिंग की शिथिलता, शिश्न का उत्थान न होना, शीघ्र पतन जैसी समस्याएँ होती है।

उपचार :

नोर्वेला का “विगरवेल” एक आधुनिक अनुसंधान है जो कई वनस्पतियों के सत्व से बना है जो पौरुष शक्ति और कामेच्छा बढाने के लिए प्रसिद्द है। यह एक प्राकृतिक, सुरक्षित तथा दुष्प्रभाव रहित प्रोडक्ट है। प्रतिदिन उपयोग करने से शारीरिक उर्जा, जोश, कामेच्छा बढाने में बहुत ही कारगर है।

विगरवेल के मुख्य घटक :

- कौंच
- श्वेत मुसली
- काली मुसली
- तालमखाना
- शिलाजीत
- अश्वगंधा

विगरवेल के मुख्य फायदे :

- पौरुष शक्ति व जोश बढाता है।
- शारीरिक उर्जा बढाता है।
- पुरुषों में कामेच्छा बढाता है।
- मानसिक थकान व तनाव दूर करता है।
- शिश्न में रक्त प्रवाह को बढाता है।

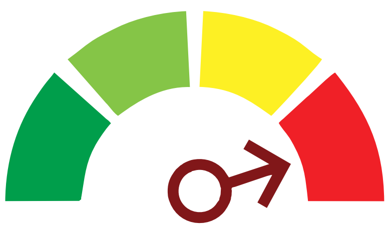

इस्तेमाल हेतू निर्देश :

2 कैप्सूल दिन में दो बार, भोजन के बाद

निषेध : इसमें उपयोग किये गए किसी घटक की एलर्जी

स्वस्थ जीवनशैली हेतू सुझाव :

- मन को प्रफुल्लित रखे|
- नियमित योगा तथा व्यायाम करें|
- पौष्टिक व संतुलित आहार का सेवन करें|
- दूध व खजूर का सेवन लाभकारी है|

ओजवेल

A Nectar for Health

100% गौ–पीयूष,
30% इम्यूनोग्लोब्युलिन्स

रोग प्रतिरोघक क्षमता बढाता है तथा शरीर की जैविक क्रियाओं को नियंत्रित करने में मदद करता है

गौ–पीयूष इम्यूनोग्लोब्युलिन्स का अच्छा स्त्रोत है। यह रोग प्रतिरोघक शक्ति बढाता है, तथा कई प्रकार की बीमारियों से रक्षा करता है। इसमें कई प्रकार के विटामिन्स, मिनरल्स, एस्सेंसिअल तथा नोन एस्सेंसिअल एमिनो एसिड, विभिन्न एंजाइम और उनके प्रीकर्सर, ग्रोथ फैक्टर तथा उनके ग्रोथ रेग्युलेटर है जो शरीर की जैविक क्रियाओं को नियंत्रित करने में मदद करता है।

गाय जब बछडे को जन्म देती है और उसके बाद जो दूघ निकलता है उसे गौ–पीयूष कहते है। इस दूघ में ऐसे जैव सक्रिय यौगिक होते है जो सामान्य दूघ में नहीं होते। गौ–पीयूष सामान्यतः बछडे के जन्म के 48 से 72 घंटे बाद तक स्त्रावित होता है। ''ओजवेल'' 100% शुद्ध गौ–पीयूष से बनाया जाता है जो पहले 12 घंटे में निकाला जाता है।

गौ–पीयूष को आधुनिक प्रक्रिया से प्रोसेस करके इसमें मौजूद इम्यूनोग्लोब्युलिन्स की मात्रा को 30% तक स्टैंडरडाईस्ड किया जाता है। यह वास्तव में आपके रोग प्रतिकारक शक्ति को सभी आवश्यक इम्यूनोग्लोब्युलिन्स IgA IgD, IgE, IgG तथा IgM से परिपूर्ण करता है। गौ–पीयूष ही एक ऐसा स्त्रोत है जो एन्टीबॉडीज तथा इम्यून फैक्टर्स की कमी को पूरा करता है। ओजवेल का डूअल एक्शन आपके रक्त तथा GI ट्रैक्ट (अमाशय तथा आंते) की इम्यूनिटी को शक्तिशाली बनाने मे मदद करता है, इन जगहों पर अधिक रोग प्रतिरोघक शक्ति की आवश्यकता होती है। यह आंतो के आंतरिक स्तर तथा GI फ्लोरा को स्वस्थ बनाये रखता है।

घटक:

गौ–पीयूष 300mg. प्रति वेजिटेरियन कैप्स्युल्स

ओजवेल निम्न अवस्थाओ में काफी कारगर है:

- श्वसन तंत्र की बीमारियॉं, सामान्य सर्दी तथा वायरल सर्दी
- रोग प्रतिरोघक शक्ति बढता है
- एलर्जी
- पेट तथा आंतो की तकलीफ
- अनियमित मासिक स्त्राव एवं अन्य स्त्री रोग
- चोट को ठीक करता है
- उर्जा तथा कार्यक्षमता बढाता है
- त्वचा को स्वस्थ रखता है
- अन्य बीमारियों से हुई कमजोरी में काफी लाभदायक है

नोट:

अगर आपको दूध की एलर्जी है या गर्भावस्था तथा दूध पिलाने वाली माताए ओजवेल को उपयोग करने से पहले डॉक्टर की सलाह ले

इस्तेमाल हेतू निर्देश:

2 से 3 कैप्स्युल्स दिन में 2 से 3 बार भोजन से पहले

मुख्य विशेषताए:

- इम्यूनोग्लोब्युलिन्स तथा लैक्टोफेरिंस रोग प्रतिरोघक शक्ति प्रदान करते है।
- इपिथेलियल ग्रोथ फैक्टर (EGF) टिशु में हुई क्षति को ठीक करता है तथा त्वचा की सामान्य वृद्धि को प्रेरित करता है।
- इन्सुलिन ग्रोथ फैक्टर (IGF) इम्यून सिस्टम को प्रेरित करता है तथा कोशिकाओं की क्षति को ठीक करता है।
- विटामिन्स, मिनरल्स, एस्सेंसिअल तथा नोन एस्सेंसिअल एमिनो एसिड, शरीर की जैविक क्रियाओं को संतुलित करता है।
- वृद्धावस्था में शक्ति तथा स्फूर्ति प्रदान करता है।

शक्तिवेल

कैल्शियम, आयरन, विटामिन्स तथा मिनरल्स से परिपूर्ण

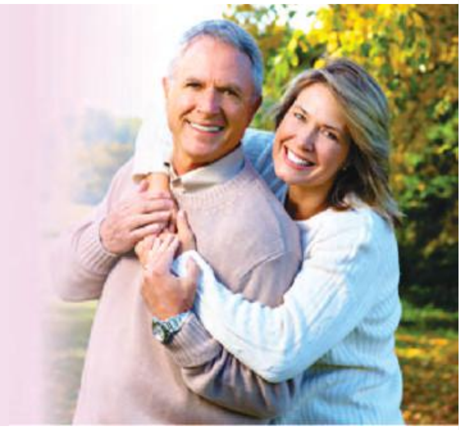

आजकल की भाग–दौड भरी जिन्दगी में फास्ट फूड पर हमारी निर्भरता बढ गयी है। इस प्रकार का आहार शरीर को जरुरी पोषण नहीं दे सकता। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए संतुलित आहार की जरुरत होती है जो हमें अपने दैनिक आहार के साथ सप्लीमेंट ले कर पूरा करना पडता है। कैल्शियम तथा आयरन जैसे मिनरल्स शरीर के विकास में सहायता करते है, साथ ही गर्भावस्था तथा मासिक चक्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।

शक्तिवेल एक ऐसा प्रोडक्ट है जिसे वैज्ञानिक पद्धति द्वारा तैयार किया गया है जो हड्डियों, रक्त एवं पेशियों, नसों, हृदय, रोग प्रतिरोधक तंत्र, त्वचा, ऑंख, बाल तथा नाखून आदि को स्वस्थ रखने में मदद करता है। इस विशेष फॉर्मुले में मौजूद विटामिन्स, मिनरल्स, आयरन तथा कैल्शियम के अवशोषण तथा उपयोग को बढाते है।

शक्तिवेल कई प्रकार के मिनरल्स से परिपूर्ण है जैसे सेलेनियम, फास्फोरस, मैग्नेशियम जो शरीर मैं कैल्शियम के अवशोषण को बढाते है तथा मैंगनीज व विटामिन K, विटामिन D हड्डियों तथा कार्टिलेज को बनाने के लिए आवश्यक कैल्शियम के उपयोग को बढाते है।

आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन B_{12} तथा विटामिन B_6 लाल रक्त कणिकाओ के निर्माण तथा उर्जा के उपयोग में मदद करते है।

विटामिन C, विटामिन E, कॉपर; आयरन के अवशोषण तथा उपयोग को बढाते है। शक्तिवेल गर्भवती महिलाओं तथा स्तनपान कराने वाली माताओ के लिए वरदान की तरह है, जहॉं माता के साथ साथ शिशु के वृद्धि तथा विकास का भी ध्यान रखना होता है। शक्तिवेल में विटामिन A तथा जिंक है जो ऑंखो तथा त्वचा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह विटामिन E, C तथा सेलेनियम से परिपूर्ण है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढाते है। एक ही प्रोडक्ट में आयरन तथा कैल्शियम शक्तिवेल की विशेषता है जो इसे मार्केट में उपलब्ध अन्य प्रोडक्ट्स से अलग करता है।

इस प्रकार शक्तिवेल शरीर को न सिर्फ उचित पोषण प्रदान करता है बल्कि यह पोषक तत्वों के अवशोषण तथा उनका सही तरह से उपयोग भी सुनिश्चित करना है।

शक्तिवेल के मुख्य घटक:

- विटामिन A
- विटामिन D
- विटामिन C
- विटामिन E
- विटामिन B_6
- फोलिक एसिड
- विटामिन K
- विटामिन B_{12}
- मैग्नेशियम
- आयरन
- जिंक
- फॉस्फेट
- मैंगनीज
- कॉपर
- सेलेनियम
- कैल्शियम

इस्तेमाल हेतू निर्देश:

1 कैप्स्युल दिन में 2 बार भोजन से पहले

निषेध:

इसमें उपयोग किये गये किसी घटक की एलर्जी

शक्तिवेल के मुख्य फायदे:

- कैल्शियम, आयरन तथा अन्य एस्सेंसिअल पोषक तत्वो की भरपूर मात्रा प्रदान करता है
- शारीरिक थकान को दूर करता है
- विशिष्ट परिस्थितियों में आयरन तथा कैल्शियम की कमी को पूरा करता है
- हड्डियों को स्वस्थ तथा मजबूत बनाता है
- आयरन तथा फोलेट के लेवल को सामान्य बनाये रखता है
- त्वचा, बालों तथा नाखून को स्वस्थ रखता है
- आपको पुरे दिन स्फूर्ति प्रदान करता है

मेन्सट्रूवेल

मासिक धर्म को सामान्य करने के लिए

मासिक धर्म होरमोन में परिवर्तन का एक प्राकृतिक चक्र है, जो गर्भाशय तथा ओवरी में होता है। प्रजनन के लिए मासिक धर्म का नियमित रूप से होना बहुत ज़रूरी है। स्त्री के प्रजनन काल में मासिक चक्र की अनियमितता आजकल सामान्य है, 50% से ज्यादा स्त्रियों में मासिक रक्तस्राव कम या ज्यादा होने की शिकायत रहती है। कई प्रकार के कारणों जैसे चिंता, पोषण में कमी, होरमोंस में असंतुलन, तथा अन्य कारणों से मासिक धर्म में अनियमितता हो जाती है।

उपचार :

नोर्वेला का "मेन्सट्रूवेल", मासिक चक्र को नियंत्रित करने के लिए एक संशोधित उपचार है। मासिक धर्म की अनियमितताओं में यह काफी कारगर सिद्ध हुआ है। मासिक चक्र की अनियमितता में यह एक प्राकृतिक, सुरक्षित तथा दुष्प्रभाव रहित प्रोडक्ट है।

The Menstrual Cycle About 28 Days

मेन्सट्रूवेल के मुख्य घटक

- निर्गुण्डी
- गोखरू
- शतावरी
- अशोका
- लोध्रा
- दशमूल
- कंटकारी
- घीक्वार
- धातकी
- गिलोय
- अश्वगंधा
- नागरमोथा
- कालीमिर्च

इस्तेमाल हेतू निर्देश :

1 से 2 कैप्सूल दिन में दो बार, भोजन के बाद

निषेध : इसमें उपयोग किये गए किसी घटक की एलर्जी तथा गर्भावस्था में

मेन्सट्रूवेल के मुख्य फायदे :

- मासिक धर्म को नियंत्रित करता है तथा गर्भाशय को स्वस्थ रखता है।
- होरमोंस का संतुलन बनाये रखता है।
- स्त्री प्रजनन अंग को स्वस्थ रखता है।
- मासिक धर्म के समय दर्द में आराम दिलाता है ।
- अधिक रक्तस्त्राव को नियंत्रित करता है।
- इन्फ्लेमेशन व दर्द को कम करता है।
- मनोदशा में सुधार लाता है तथा बेचैनी कम करता है।

| समदोषः समाग्निश्च समधातुमलक्रियः |
| प्रसन्नात्मेन्द्रियमनाः स्वस्थ इत्यभिधीयते ||

Disclaimer: Information on this publication is provided for informational purposes and is not meant to substitute the advice provided by physician or other medical professional. These products does not intend to cure and prevent any diseases.

A NATURAL WAY TO GOOD HEALTH

Marketed by
SAHAJ LIFECARE PRODUCTS (P) LTD.
326, 3rd Floor, Swastik Plaza,
Yogi Chowk, Varachha Road,
Surat-395010, (Gujarat) INDIA

Contact
Tel. : +91 91570 71071
+91 91570 72072
Web : www.sahajlifecare.com
Email : info@sahajlifecare.com

Customer care no: +91 88668 66807

Manufactured by: SAHAJANAND LIFE SCIENCES (P) LTD.
For detail product informa on visit us **www.norwela.com**

MRP: ₹ 120.00

NOR/HN/PCAT/112015/-2